सुरुचि आर्ट गैलरी में लगी चित्र प्रदर्शनी में यह मनमोहक पेंटिंग रही आकर्षण का केंद्र। फोटो : नईदुनिया

कैनवास पर रोजमर्रा के शब्दों ने लिया आकार

नईदुनिया संवाददाता

- सुरुचि आर्ट गैलरी में लगी चित्र प्रदर्शनी में युवा महिला चित्रकार की पेंटिंग्स ने लुभाया

नोएडा। सेक्टर-26 स्थित सुरुचि आर्ट गैलरी में लाइट्स थ्रू अ लेबीरिंथ (भूलभुलैया) शीर्षक से लगी चित्र प्रदर्शनी में यूं तो दिल्ली और बड़ौदा के चार युवा चित्रकारों की 26 पेंटिंग्स प्रदर्शित की गई है लेकिन नीलांजना नंदी द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स लोगों को खूब भा रही है। इन पेंटिंग्स में युवाओं की सोच और शहरी रहन-सहन का अक्स दिखाई पड़ता है। नीलांजना के मुताबिक रोजमर्रा की जिंदगी में बोले जाने वाले शब्दों को कैनवास पर उतारने का अलग ही मजा है।

सेक्टर-26 स्थित सुरुचि आर्ट गैलरी में पिछले कुछ दिनों से चल रही प्रदर्शनी बुधवार तक रहेगी। प्रदर्शनी में युवा दर्शकों का तांता लगा है। यहां प्रदर्शित चार चित्रकारों की पेंटिंग्स में नीलांजना नंदी द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स बरबस ही हर किसी का ध्यान अपनी तरफ खींच लेती हैं। 29 वर्षीय नीलांजना यूं तो बचपन से ही पेंटिंग बनाने की शौकीन थीं लेकिन वर्ष 2003 से उन्होंने इसे प्रोफेशन के तौर पर लिया। दिल्ली, नागपुर, केरल के अलावा वे मलेशिया, बुल्गारिया आदि देशों में भी प्रदर्शनियां लगा चुकी हैं। स्टार्म इन अ कप और बटरफ्लाई इन स्टमक जैसे अनोखे विषयों पर पेंटिंग्स बनाने का कैसे ख्याल आया, इस सवाल पर नीलांजना ने बताया कि रोजमर्रा की जिंदगी में हम लोग कई बार ऐसे शब्द सुनते हैं जिन्हें कैनवास पर उकेरने का मन करता है।

जब किसी शख्स ने कहा कि फलां काम करने से-आई फेल्ट बटरफलाई इन माई स्टमक तो उन्होंने सोचा कि इसे कैनवस पर क्यों न उतारा जाए। जिंदगी के तजुर्बे और सच्चाई के चित्र बनाना ही वे पसंद करती हैं। नीलांजना ने बताया कि आने वाले समय में वह जर्मनी और रोमानिया जाकर भी प्रदर्शनी लगाएंगी। सुरुचि आर्ट गैलरी में चल रही पेंटिंग प्रदर्शनी के बारे में उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी को देखने युवा भी काफी आ रहे हैं।